



सत्यमेव जयते

# 68वीं गणतंत्र दिवस परेड 68<sup>th</sup> Republic Day Parade

26 जनवरी, 2017 (माघ 6 1938)  
26 January, 2017 (6 Magha, 1938)





# **68वीं गणतंत्र दिवस परेड 68<sup>th</sup> Republic Day Parade**

26 जनवरी, 2017 (माघ 6 1938)  
26 January, 2017 (6 Magha, 1938)

## संयुक्त अरब अमीरात का सैन्य दस्ता

आज भारत अपना 68वाँ गणतन्त्र दिवस मना रहा है। हर्षोल्लास के इस विशेष अवसर पर हमारे सम्मानित मुख्य अतिथि, अबू धाबी के क्राउन प्रिंस एवं संयुक्त अरब अमीरात (यू. ए. ई.) के सैन्य बलों के डिप्टी सुप्रीम कमांडर महामान्य शेख मोहम्मद बिन जाएद अल नहयान इस समारोह में सम्मिलित हैं। गणतन्त्र दिवस समारोह में उनकी गरिमापूर्ण उपस्थिति, दोनों राष्ट्रों के पारस्परिक सम्मान एवं सहयोग की आधारशिला पर निर्मित ऐतिहासिक अमीराती-भारतीय संबंधों की महत्ता को दर्शाती है।

अमीराती-भारतीय संबंधों की गरिमा का आज राजपथ पर प्रदर्शन होगा जब यू. ए. ई. की थल सेना, नौसेना, वायु सेना व प्रेसिडेंशियल गार्ड के 149 सैनिकों का दस्ता तथा 35 सदस्यों का सैन्य बैंड गणतन्त्र दिवस परेड में भाग लेंगे।

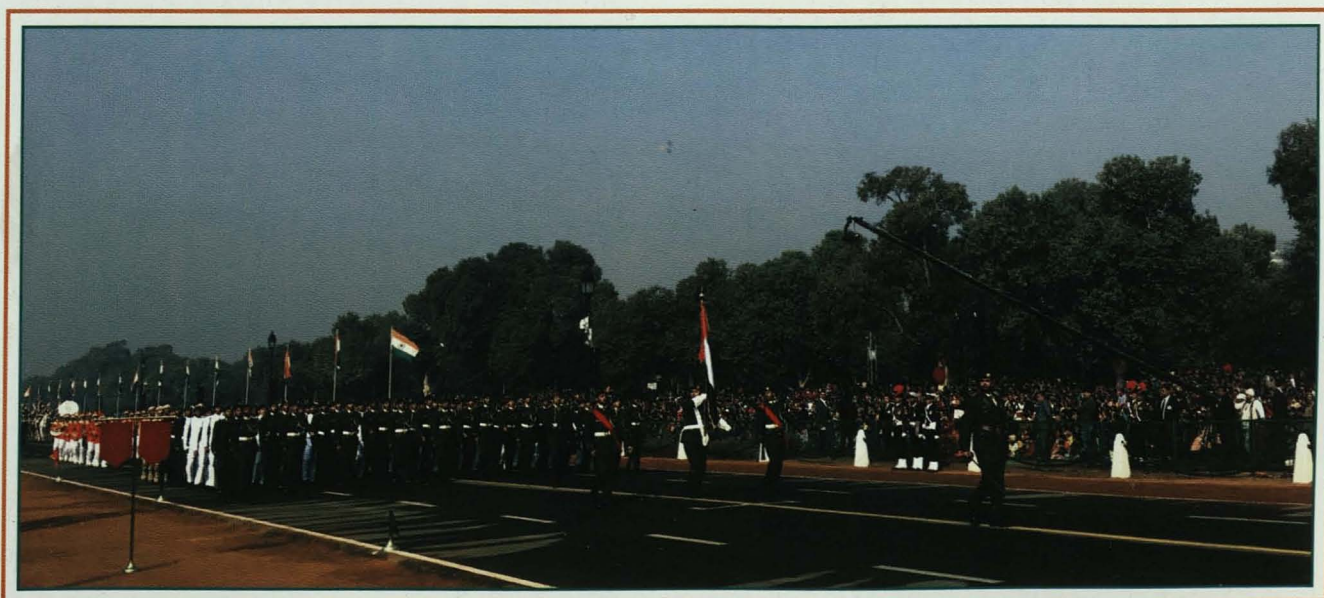
राजपथ पर यू. ए. ई. का सैन्य दस्ता अपने आकर्षक सैन्य बैंड द्वारा बजाई जा रही मनोहर धुन "कैप्टीन" पर तत्परता से मार्च कर रहा है।

## United Arab Emirates Military Contingent

Today India is celebrating its 68<sup>th</sup> Republic Day. Sharing our joy on this very special occasion is our esteemed guest, His Highness Sheikh Mohammed Bin Zayed Al Nahyan, the Crown Prince of Abu Dhabi and Deputy Supreme Commander of the United Arab Emirates (UAE) Armed Forces. His august presence at the Republic Day Parade signifies the value that both countries attach to the historic Emirati-Indian relationship built on mutual respect and cooperation.

This spirit of Emirati-Indian relationship will be amply demonstrated today when the UAE Military Contingent of 149 soldiers from UAE Land Forces, Navy, Air Forces and the Presidential Guard accompanied by the UAE Military Band of 35 personnel participate in the Republic Day Parade.

The UAE's military contingent is marching smartly on the Rajpath followed by their impressive Military Band playing the delightful marching tune 'Kaptien'.



## कार्यक्रम

0957 बजे

राष्ट्रपति का, मुख्य अतिथि, अबू धाबी के क्राउन प्रिंस के साथ राजकीय सम्मान सहित आगमन।

प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रपति तथा मुख्य अतिथि की अगवानी।

प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रपति तथा मुख्य अतिथि से रक्षा मंत्री, रक्षा राज्य मंत्री, तीनों सेनाध्यक्षों तथा रक्षा सचिव का परिचय।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तथा मुख्य अतिथि का मंच की ओर प्रस्थान।

राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है तथा राष्ट्रपति के अंगरक्षक राष्ट्रीय सलामी देते हैं। बैंड द्वारा राष्ट्रगान प्रस्तुति तथा 21 तोपों की सलामी।

गणतंत्र दिवस परेड आरंभ होती है।

सांस्कृतिक झांकी।

मोटर साइकिलों पर करतब।

विमानों द्वारा सलामी।

राष्ट्रीय सलामी।

राष्ट्रपति का मुख्य अतिथि के साथ राजकीय सम्मान सहित प्रस्थान।

## Programme

0957 hrs.

The President, accompanied by the Chief Guest, Crown Prince of Abu Dhabi, arrives in State.

The Prime Minister receives the President and the Chief Guest.

The Prime Minister presents to the President and the Chief Guest, Raksha Mantri, Raksha Rajya Mantri, the three Service Chiefs and Defence Secretary.

The President, the Prime Minister and the Chief Guest proceed to the rostrum.

The National Flag is unfurled and the President's Body Guard presents the National Salute. The Band plays the National Anthem and a 21-Gun Salute is fired.

The Republic Day Parade commences.

The Cultural Pageant.

Motor Cycle Display.

Fly past.

National Salute.

The President, accompanied by the Chief Guest, departs in State.

## परेड क्रम

भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टरों द्वारा पुष्प वर्षा

परेड कमांडर

परेड उप-कमांडर

परमवीर चक्र तथा अशोक चक्र पुरस्कार विजेता

### संयुक्त अरब अमीरात की टुकड़ी

बैंड और मार्च करती हुई टुकड़ी

### सेना

सवार दस्ते

61 घुड़सवार दस्ता

मैकेनाइज्ड दस्ते

टैंक टी-90 (भीष्म)

बॉलवे मशीन पिकेट

ब्रह्मोस

शस्त्र खोजी रेडार स्वाती

रसायनिक, जैविक, उद्धर्मिता एवं परमाणु खोजी वाहन

परिवहनीय उपग्रह टर्मिनल (डी सी एन)

आकाश

धनुष गन प्रणाली

उन्नत हल्के हेलीकॉप्टरों द्वारा सलामी

## The Order of March

Showering of Flower Petals By Helicopters

Parade Commander

Parade Second-in-Command

ParamVir Chakra and Ashoka Chakra Awardees

### United Arab Emirates' Contingent

Band & Marching Contingent

### Army

Mounted Columns

61 Cavalry

Mechanised Columns

Tank T-90 (Bhishma)

Ballway Machine Pikate

BRAHMOS

Weapon Locating RADAR Swathi

Chemical, Biological, Radiological & Nuclear Recce Vehicle

Transportable Satellite Terminal (DCN)

AKASH

DHANUSH Gun System

Fly Past by Advanced Light Helicopters

## मार्चिंग दस्ते

## Marching Contingents

मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री दस्ता

Mechanised Infantry Contingent

कवचित कोर केंद्र एवं स्कूल  
मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजीमेंट केंद्र

: बैंड धुन  
"अमर सेनानी"

Armoured Corps Centre and School  
Mechanised Infantry Regiment Centre

: Band playing  
"Amar Senani"

बिहार रेजीमेंट केंद्र दस्ता

Bihar Regiment Centre Contingent

39 गोरखा प्रशिक्षण केंद्र दस्ता

39 Gorakha Training Centre Contingent

पंजाब रेजीमेंट केंद्र  
सिख रेजीमेंट केंद्र

: बैंड धुन  
"शेर-ए-जवान"

Punjab Regiment Centre  
Sikh Regiment Centre

: Band playing  
"Sher-e-Jawan"

58 गोरखा प्रशिक्षण केंद्र दस्ता

58 Gorakha Training Centre Contingent

मद्रास इंजीनियर्स ग्रुप दस्ता

Madras Engineers Group Contingent

बिहार रेजीमेंट केंद्र  
लद्दाख स्काउट्स

: बैंड धुन  
"संविधान"

Bihar Regiment Centre  
Ladakh Scouts

: Band playing  
"Samvidhan"

प्रादेशिक सेना दस्ता (सिख लाइ, 103 इन्फैंट्री बटालियन)

Territorial Army Contingent (103 Infantry Bn. SIKH LI)

पूर्व सैनिकों की झाँकी

Veterans' Tableau

## नौसेना

## Navy

नौसेना ब्रास बैंड

: बैंड धुन  
"जय भारती"

Naval Brass Band

: Band playing  
"Jai Bharati"

नौसेना की मार्च करती हुई टुकड़ी

Navy Marching Contingent

झाँकी (भारतीय नौसेना - राष्ट्र की स्थिरता,  
सुरक्षा एवं समृद्धि को प्रबल करती एक पेशेवर शक्ति)

Tableau (Indian Navy - Professional Force -  
Anchoring Stability, Security and National Prosperity)

## वायु सेना

वायु सेना की मार्च करती हुई टुकड़ी

वायु सेना बैंड : बैंड धुन  
"क्विक मार्च"

झाँकी (नेटवर्क केंद्रित अभियानों के द्वारा वायु प्रबुद्धता)

## रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन

उन्नत तोपखाना शस्त्र प्रणाली

मध्यम शक्ति रेडार – आरुध्र

## अर्ध-सैनिक तथा अन्य सहायक सिविल बल

सीमा सुरक्षा बल : ऊँटों की टुकड़ी

सीमा सुरक्षा बल : ऊँट सवार बैंड : बैंड धुन "हम हैं सीमा सुरक्षा बल"

तटरक्षक की मार्च करती हुई टुकड़ी

बैंड : केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल : बैंड धुन "देश के हम हैं रक्षक"

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल टुकड़ी

बैंड : केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल : बैंड धुन "अमर सेनानी"

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की मार्च करती हुई टुकड़ी

बैंड : दिल्ली पुलिस : बैंड धुन "दिल्ली पुलिस"

दिल्ली पुलिस की मार्च करती हुई टुकड़ी

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड की टुकड़ी एवं सवार दस्ते

## Air Force

Air Force Marching Contingent

Air Force Band : Band playing "Quick March"

Tableau (Air Dominance through Network Centric Operations)

## DRDO

Advanced Towed Artillery Gun System

Medium Power RADAR - Arudhra

## Para-Military and Other Auxiliary Civil Forces

BSF Camel Contingent

BSF Camel Band : Band playing "Hum Hai Seema Suraksha Bal"

Coast Guard Marching Contingent

CRPF Band : Band playing "Desh ke Hum Hain Rakshak"

CRPF Marching Contingent

CISF Band : Band playing "Amar Senani"

CISF Marching Contingent

Delhi Police Band : Band playing "Delhi Police"

Delhi Police Marching Contingent

National Security Guard Contingent & Mounted Column

### राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन सी सी)

### National Cadet Corps (NCC)

बैंड : राष्ट्रीय कैडेट कोर के छात्र	: बैंड धुन "कदम कदम बढ़ाये जा"	Band: Boys (NCC)	: Band playing "Kadam Kadam Badhaye Ja"
छात्रों की मार्च करती हुई टुकड़ी		Boys' Marching Contingent	
बैंड : राष्ट्रीय कैडेट कोर की छात्राएं	: बैंड धुन "सारे जहाँ से अच्छा"	Band: Girls (NCC)	: Band playing "Saare Jahan Se Achha"
छात्राओं की मार्च करती हुई टुकड़ी		Girls' Marching Contingent	

### राष्ट्रीय सेवा योजना (एन एस एस)

### National Service Scheme (NSS)

सामूहिक पाइप और ड्रम बैंड	: बैंड धुन "इंडिया गेट"	Massed Pipes & Drums Band	: Band playing "India Gate"
राष्ट्रीय सेवा योजना की मार्च करती हुई टुकड़ी		National Service Scheme Marching Contingent	

## सांस्कृतिक प्रस्तुति

झांकियां : तेईस

### बहादुर बच्चे

खुली जीपों में राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार विजेता बच्चे

### बच्चों की प्रस्तुति

स्कूली बच्चों के कार्यक्रम:

1. दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर (महाराष्ट्र)
2. सर्वोदय कन्या विद्यालय, चिराग दिल्ली
3. माउन्ट आबू पब्लिक स्कूल, रोहिणी, नई दिल्ली
4. केन्द्रीय विद्यालय, पीतमपुरा, नई दिल्ली

मोटर साइकिलों पर करतब : सेना (सी एम पी)

विमानों द्वारा सलामी\*

गुब्बारों का छोड़ा जाना : भारत मौसम विज्ञान विभाग

\*मौसम अनुकूल रहने पर

## The Cultural Pageant

Tableaux : Twenty Three

### Brave Children

National Bravery Award Winning Children  
in open Jeeps

### Children's Pageant

School Children Items:

1. South Central Zone Cultural Centre, Nagpur (Maharashtra)
2. Sarvodaya Kanya Vidyalaya, Chirag Delhi
3. Mount Abu Public School, Rohini, New Delhi
4. Kendriya Vidyalaya, Pitampura, New Delhi

Motor Cycle Display : Army (CMP)

Fly-Past\*

Release of Balloons : India Meteorological Department

\*If weather conditions permit

## सांस्कृतिक प्रस्तुति

आज भारत अपना 68वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। यह सांस्कृतिक प्रस्तुति हमारी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विविधता और प्रगति की झलक प्रस्तुत करती है जो भारत के गौरवशाली अतीत का प्रतीक है तथा समृद्ध और खुशहाल भविष्य के प्रति देशवासियों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करती है।

रंग बिरंगी झांकियों का वर्ण-विन्यास भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और प्रौद्योगिकीय पहलुओं का चित्रण करता है। इन झांकियों में हमारे भौगोलिक सौंदर्य तथा वास्तु-शिल्पीय धरोहर को दिखाया गया है।

## CULTURAL PAGEANT

Today, India celebrates its 68<sup>th</sup> Republic Day. The cultural pageant presents a glimpse of our ancient civilization, cultural diversity and progress; it symbolises both India's glorious past and reflects the citizens' aspirations for a prosperous and happy tomorrow.

The array of colourful tableaux depicts the social, cultural, economic and technological facets of India, capturing both the beauty of our landscape and our architectural heritage.



## दोल यात्रा

ओडिशा राज्य इस झाँकी द्वारा अपने लोकप्रिय उत्सव 'दोल यात्रा' को प्रदर्शित कर रहा है। झाँकी में भगवान श्री कृष्ण और देवी राधा की अद्भुत मिलन यात्रा को भक्तिपूर्ण परम्परा के अनुसार उत्सव रूप में मनाते हुए प्रदर्शित किया गया है।

'दोल यात्रा' होली पर्व के साथ फरवरी-मार्च के महीने में पूर्णिमा से पूर्व फाल्गुन दशमी के दिन आता है। देवी राधा और भगवान कृष्ण की पूजा अर्चना ही इस छः दिवसीय उत्सव का मुख्य आकर्षण है। इस दिन गाँव के देवताओं, विशेष कर भगवान कृष्ण की मूर्तियों को छोटे सुन्दर लकड़ी के मंदिर, जिसे बिमान कहा जाता है, पर उठाकर शोभा यात्रा के साथ गाँव के सभी घरों की ओर ले जाया जाता है। अबीर में लिपटे लोगों का जनसमूह पारम्परिक संगीत व गीतों के साथ झूमते-नाचते हुए घर-घर जाते हैं तथा घरों के द्वार पर निवासियों को बिमान में विराजित देवता के दर्शन कराते हैं। गाँव वाले देवता को प्रसाद चढ़ाते हैं और आगामी दिवस पर होने वाले होली के त्योहार के लिए रंग प्राप्त करते हैं।

झाँकी के अग्र भाग में एक रंग-बिरंगे झूले पर विराजे भगवान कृष्ण की पूजा अर्चना को प्रतिबिंबित किया जा रहा है। झाँकी के पृष्ठ भाग में लोगों को बिमान के साथ शोभा यात्रा करते तथा भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना करते दिखाया गया है। झाँकी के दोनों ओर आनन्दमग्न श्रद्धालु घंटा, मृदंग, मंजीरा जैसे पारम्परिक वाद्य यंत्रों को बजाते हुए चल रहे हैं।

—ओडिशा

## Dola Jatra

The tableau of Odisha showcases 'Dola Jatra' - a popular festival celebrated by the people in the state. This festival signifies the journey of Goddess Radha & Lord Krishna for ultimate union in tradition of Bhakti cult.

'Dola Jatra' coincides with the Holi festival that takes place on Falguna Dasami, before full moon day in the month of February-March. Worshipping of Goddess Radha and Lord Krishna is the main event during the six-day long festival. On this day, the idols of village deities, especially that of Lord Krishna, are carried on a small decorated wooden temple called Bimana, in a procession to all houses in the village. The procession of people, smeared with Abira (violet coloured powder), moves from one house to another while rejoicing and dancing with the traditional music and songs. In the Bimana God comes to the door-step and give Darshan. The villagers offer Bhog to the deity and receive powdered colours for the Holi festival that takes place on the next day.

The front part of the tableau depicts symbolic worship of Lord Krishna in a colourful swing. The rear portion of the tableau shows people in procession, carrying the Bimana and worshipping Lord Krishna. The devotees playing traditional instruments like Ghanta, Mrudanga, Manjira, etc. can be seen moving on both sides of the tableau.

- ODISHA

## याक नृत्य

अरुणाचल प्रदेश झाँकी में राज्य के पश्चिमी क्षेत्र के बौद्ध धर्म के अनुयायियों के प्रसिद्ध याक नृत्य को प्रदर्शित किया गया है।

याक नृत्य फरवरी-मार्च माह में अरुणाचल प्रदेश के बौद्ध समुदाय द्वारा मनाये जाने वाले लोसर उत्सव के अवसर पर प्रस्तुत किया जाता है। यह मोनपा जनजाति द्वारा किया जाने वाला प्रसिद्ध नकाबपोशी नृत्य है। इस नृत्य प्रस्तुति के दौरान मोनपा जनजाति के लोग याक पशु, जो कि उच्च पर्वत श्रृंखलाओं के निवासियों के सामाजिक-आर्थिक जीवन में बहुपयोगी है, की खोज को उत्सव के रूप में मनाते हैं। यह खोज मोनपा समुदाय के कुटुम्बों में शांति एवं संपन्नता के लिए बहुत सहायक सिद्ध हुई थी क्योंकि याक उनके वैभव एवम् स्थायी आय का एक निरन्तर स्रोत बन गया है। यह नृत्य बौद्ध समुदायों के सदस्यों के याक एवं अन्य जीवों से करुणामयी एवं भावपूर्ण संबंधों को भी प्रदर्शित करता है। यह मान्यता है कि इस नृत्य से समुदाय की समस्त समस्याओं का हल होता है तथा इससे समुदाय में शांति एवं समृद्धि का आगमन होता है।

झाँकी में समुदाय के मुकुटधारी सदस्यों को सैकड़ों वर्ष पूर्व एक जादुई पक्षी की मदद से याक पशु की खोज पर उल्लास के साथ नृत्य करते हुए दिखाया गया है।

— अरुणाचल प्रदेश

## Yak Dance

Arunachal Pradesh displays in this tableau the famous Yak Dance of Buddhist community of western part of the state.

The Buddhist community of Arunachal Pradesh performs this Yak Dance during the 'Losar Festival' in the month of February-March. It is one of the most famous pantomimes of the Monpa Tribe. Through this dance performance, the Monpas celebrate the discovery of yak- which plays vital role in the socio-economic life of the people living in the high altitude mountain ranges. This discovery helped them in restoring peace and prosperity in the Monpa family as rearing of Yak provides them a permanent source of income and wealth. This dance also showcases compassionate feelings and affectionate relations of the Buddhist tribe towards the living beings including yaks and cattle. It is believed that performing this dance would solve all their problems and it would usher peace and prosperity in the community.

On the tableau, the masked members of the clan can be seen, dancing and rejoicing the discovery of Yak hundreds of years ago with the help of a magical bird.

- ARUNACHAL PRADESH





## लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक

महाराष्ट्र राज्य की प्रस्तुत झाँकी भारत के प्रभावशाली व्यक्तित्व वाले महान स्वतंत्रता सेनानी – लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के 160वीं जयंती का स्मरणोत्सव है।

महाराष्ट्र राज्य के रत्नागिरी में 23 जुलाई 1856 को जन्मे लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने एक गणितज्ञ, संवाददाता, संपादक, लेखक व वक्ता के रूप में उत्कृष्टता पाई। अपने समाचार पत्रों 'मराठा' व 'केसरी' तथा गणेशोत्सव व शिव जयंती पर्वों के माध्यम से समाज को जागृत करने में उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनके नारे 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा' ने जनता में राष्ट्रवाद की भावना को प्रज्वलित किया।

झाँकी के अग्रभाग में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की विशाल प्रतिमा द्वारा उनका चित्रण किया गया है जिसमें वे अपने समाचार पत्र के लेखन में मग्न हैं। मध्य भाग उनके एक कुशल वक्ता के व्यक्तित्व, उनके प्रसिद्ध समाचार पत्रों – केसरी व मराठा के प्रकाशन तथा राज्य में गणेशोत्सव को दर्शाता है। पृष्ठ भाग में उनसे प्रभावित लोगों को शिक्षा अध्ययन व शारीरिक व्यायामों में संलग्न दिखाया गया है। इसी भाग में लोकमान्य तिलक को अंग्रेजों द्वारा जेल में कैद किया हुआ भी दिखाया गया है।

— महाराष्ट्र

## Lokmanya Bal Gangadhar Tilak

Maharashtra state tableau commemorates the great freedom fighter -Lokmanya Bal Gangadhar Tilak in the 160<sup>th</sup> birth anniversary year of this iconic personality of India.

Born on 23rd of July, 1856 at Ratnagiri in the State of Maharashtra, Lokmanya Tilak excelled as a mathematician, news reporter, editor, writer, and orator. He devoted his life to awaken the society through his newspapers - the 'Mahratta' and 'Kesari' and celebration of festivals like "Ganeshotsav" and "Shivjayanti Utsav". His slogan 'Swaraj Is My Birth Right And I Shall Have It' contributed enormously to awake the nationalist spirit in the masses.

The front portion of the tableau displays a giant size image of Lokmanya Tilak, engaged in writing for his newspapers. The middle section highlights his skills as a gifted orator, publication of his famous Newspapers – Kesari and Mahratta and celebration of Ganeshotsva in the state. The rear portion showcases the people inspired by him engaged in studies and physical activity. This section also exhibits Lokmanya Tilak imprisoned in jail by the British.

- MAHARASHTRA

## लाइ हराओबा

मणिपुर राज्य की झाँकी प्रस्तुत करती है - लाइ हराओबा, जो विश्व के बहुत ही पुराने धार्मिक नाट्यों में से एक है। इस नाट्य मुद्रा का मणिपुर के मैतै समुदाय के सदस्य बहुत ही श्रद्धापूर्वक संरक्षण करते आ रहे हैं।

लाइ हराओबा का अर्थ है - 'देवताओं को प्रसन्न करने का उत्सव'। इस नाट्य में समुदाय के लोग समस्त समुदाय के स्वास्थ्य, समृद्धि एवं ग्रामवासियों की प्रगति के लिए स्थानीय देवता की पूजा-अर्चना करते हैं। समुदाय की पुजारिन - माइबी, पारम्परिक नृत्य एवं गायन के साथ विधिवत् रूप से इस पवित्र अनुष्ठान को कुशलता से पूर्ण करती है। समुदाय के अन्य सदस्य भी पारम्परिक यन्त्र (पेना) और अवनद्ध यन्त्र (लांग्देग पुंग) के सुर ताल के साथ इसमें भाग लेते हैं।

मणिपुर की इस झाँकी में पारम्परिक परिवेश में निभाई जा रही एक पुरातन प्रथा का सदृश्य चित्रण किया गया है जिसमें पुजारिन को पवित्र नृत्य द्वारा देवताओं को निद्रा से जगाने के लिए सहसम्मिलित श्रद्धालुओं के साथ अपनी पारम्परिक वेशभूषा में नृत्य करते भी दिखाया गया है।

— मणिपुर

## Lai Haraoba

Manipur state tableau presents Lai Haraoba - one of the oldest ritualistic theatres of the world, zealously preserved by the Meitei community of the state with utmost sanctity.

Lai Haraoba - meaning 'happiness of the gods', is celebrated by the entire community with devotion to worship local deities and to seek their blessings for prosperity and well-being of land and people. The sacred ceremonies, including traditional dance and sacrosanct rituals, are skilfully performed by Maibis, the priestesses. The common people of the community also participate in this performance to the accompaniment of the traditional stringed instrument (pena) and drums (langdeng pung).

The Manipur tableau recreates this quaint and rich cultural tradition with a replica of the deities, in elaborate traditional ambience. A Maibi (priestess) performing the sacred dance to awaken the god from slumber along with dancing devotees in their traditional attire is also being showcased on the tableau.

- MANIPUR





## कच्छ की कला और जीवन शैली

गुजरात की प्रस्तुत झाँकी राज्य के कच्छ जिले की कला एवं संस्कृति को दर्शाती है। यह जिला सोलह विभिन्न प्रकार की कढ़ाईयों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ पर संध्या को मधुर बनाने के लिए मोर्चांग, नागफनी, सुरंधा एवं बोरिंदो जैसे पारम्परिक वाद्ययंत्रों को बजाया जाता है। रोगन कला, मिट्टी कला एवं भुंगा बनाने की कला ने कच्छ को विश्व में एक विशिष्ट पहचान दी है।

झाँकी के अग्र भाग में कच्छ की पारम्परिक कढ़ाई करने में व्यस्त एक महिला की प्रतिमा है। झाँकी के पृष्ठ भाग में मोची कढ़ाई करते हुए लोगों व दाबड़ा, बेहतरीन कढ़ाई किए गए कपड़े से ढका हुआ ऊँट, रोगन कलाकृतियों एवं कच्छ के लोगों के पारम्परिक निवास 'भुंगा' को दर्शाया गया है। झाँकी के साथ चलते हुए रंग-बिरंगी पारम्परिक वेशभूषा में कच्छ के लोग पारम्परिक लोक नृत्य 'रास' का प्रदर्शन कर रहे हैं।

— गुजरात

## Art And Lifestyle of Kutch

The tableau of Gujarat showcases the art and culture of the Kutch district. The district is renowned for its sixteen different types of embroidery work. Traditional musical instruments like Morchang, Nagfani, Surandha and Borindo are played here to make the evenings melodious. The rogan art, mud work and the art of making Bhunga gives Kutch a unique identity across the globe.

On front part of the tableau, statue of a Kutchi woman is shown engaged in traditional Kutch embroidery work. The rear of the tableau displays people engaged in Motchi (Cobbler) embroidery art and Dabda, Kutchi camel covered with exquisitely, embroidered fabric, Rogan art work and the traditional residence of Kutch people 'Bhunga'. Moving along with the tableau, the Kutchi people wearing colourful traditional kutchi clothes are performing traditional folk dance "Raas".

- GUJARAT

## लक्षद्वीप — एक अनदेखा पर्यटन स्थल

लक्षद्वीप की प्रस्तुत झाँकी इस क्षेत्र की समृद्ध सागरीय सम्पदा तथा क्षेत्र की सतत् आर्थिक गतिविधियों में पर्यटन की भूमिका को प्रदर्शित करती है। संवेदनशील पर्यावरण के मद्देनजर यहाँ कोई अन्य उद्योग वांछनीय या संभव नहीं है।

अरब सागर में 36 असमान रूप से बिखरे टापुओं का संग्रह—लक्षद्वीप, भारत का सबसे छोटा केन्द्र शासित प्रदेश है। प्रदेश के ये टापू अपने अनूठे पारिस्थितिक—तंत्र कोरलरीफ, चमकते रेतीले समुद्र—तटों तथा अनूठी प्रकृति के लिए प्रसिद्ध होने के साथ—साथ साहसिक खेल पर्यटन के लिए भी लोकप्रिय हैं। यहाँ के निर्मल जल और स्वच्छ पर्यावरण में अभी भी पर्यटन विकास की अत्यधिक संभावना है।

झाँकी के अग्र भाग व दोनों किनारों पर पानी के भीतर रंगीन मछलियों व विभिन्न प्रकार के कोरल का स्कूबा गोताखोर की दृष्टि से चित्रण किया गया है। झाँकी के ऊपरी भाग में रेतीले समुद्र—तट, नारियल पेड़ों के पास स्थित पर्यावरण अनुकूल कुटिया, शांत लैगून व विभिन्न जल क्रीड़ाओं जैसे विंड—सर्फिंग, कायाकिंग एवं रोमांचक जेट स्की को प्रदर्शित किया गया है। 1885 में निर्मित मिनिकॉय लाईट—हाऊस को भी इस झाँकी में दर्शाया गया है।

—लक्षद्वीप

## Lakshadweep - An Unexplored Tourist Destination

The tableau of Lakshadweep showcases its rich marine wealth and the role of tourism as a sustainable economic activity in the islands where no other industry is feasible or desirable on account of highly fragile environment.

Consisting of 36 unevenly scattered islands in the Arabian Sea, Lakshadweep forms the tiniest Union Territory of India. These islands are renowned for unique eco-system, coral reefs, silver sandy beaches, and recognized as a favorite destination for Adventure Sport-Nature Tourism. The pristine waters and virgin environment of the region still has enormous unexplored tourism potential.

The front and side views of the Lakshadweep's tableau showcase underwater kaleidoscope of colourful fishes, varieties of corals in the clear waters, through the prism of a Scuba diver. The upper portion of the tableau displays sandy beaches, eco-friendly tourist cottage amidst coconut palms, serene lagoon, and water sports like windsurfing, kayaking and adrenalin pumping Jet Ski. It also shows Minicoy Light House built in 1885.

- LAKSHADWEEP





## कर्नाटक के लोक नृत्य

अपनी पारम्परिक कलाओं और लोक नृत्यों के कारण प्रसिद्ध कर्नाटक राज्य इस गणतंत्र दिवस के अवसर पर अपने पारम्परिक लोक नृत्यों को इस झाँकी के माध्यम से प्रस्तुत कर रहा है।

यह झाँकी भगवान शिव के गोरव उपासकों को पारम्परिक समारोहिक नृत्य में मग्न दिखा रही है। वे भालू के बालों से निर्मित अनूठी टोपी से सुसज्जित हैं तथा उन्हें ढोल की ताल एवं बाँसुरी की धुन पर नृत्य करते हुए देखा जा सकता है। इनके पीछे तलवार धारण किए योद्धा तथा पारम्परिक वाद्य यंत्रों को लिए कुछ नर्तक चारों ओर वृत्ताकार में चल रहे हैं। ढोल की ताल के साथ आकर्षक मुखौटा पहने एक सोम नर्तक इस दर्शनीय प्रस्तुति को पूर्णता प्रदान कर रहा है।

रथ के पहिये के समान घूमते विशालकाय ढोल की विद्युत गर्जना के बीच ढोल, तम्बूरा, सितार बजाते झाँकी के साथ चल रहे कलाकार तथा पृष्ठ भाग में 12 मीटर ऊँचा नन्दी ध्वज एक मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करते हैं।

— कर्नाटक

## Folk Dances of Karnataka

Famous for its traditional arts and folk dances, the state of Karnataka presents traditional folk dances of the state in this year's Republic Day Parade tableau.

The tableau showcases Goravas, the worshippers of Lord Shiva, engaged in the traditional ritualistic dance. They are adorned with unique caps made of bear's hair, and can be seen dancing to the beats of drums and blowing flute. At the back, the sword-wielding warriors are seen performing dance while others carrying cymbals follow in circles. With the beating drums, a dancer attired in attractive mask form the ensemble of Soma dance to make the visual presentation complete.

Artists accompanying the tableau on ground play drums, tambourine, strings amidst thundering sound of a huge drum rolling like a cart wheel, and a 12-metre long Nandi flag at the rear form a mesmerizing spectacle.

- KARNATAKA

## दिल्ली के मॉडल विद्यालय

दिल्ली की झाँकी में दिल्ली के मॉडल विद्यालयों, जिनमें सरकार के नए प्रयासों के फलस्वरूप शिक्षा की गुणवत्ता में विशेष सुधार अंकित किया गया है, को दर्शाया गया है।

राज्य में शिक्षा के स्तर में सुधार के सरकार के दृढ़ निश्चय को ध्यान में रखते हुए सरकारी विद्यालयों का मॉडल विद्यालयों में रूपान्तरण किया जा रहा है। इन विद्यालयों में निजी विद्यालयों के समान आधारभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने से हुए परिवर्तन से शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों पर अच्छा प्रभाव हुआ है। एक विशेष कार्यक्रम भी आरम्भ किया गया है जिसमें नृत्य, संगीत, ललित कला, नाट्य कला, फोटोग्राफी इत्यादि विषयों के विशेषज्ञों द्वारा व्यवसायिक शिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

झाँकी में एक सामान्य राजकीय विद्यालय के मॉडल विद्यालय में कायाकल्प होने की छवि को प्रदर्शित किया गया है। अग्रभाग में एक उन्नत विद्यालय के भवन तथा विद्यार्थियों की जीवाकार प्रतिमाओं को उत्साह के साथ शिक्षा ग्रहण करते, खेलों व अन्य प्रक्रियाओं में जुटा दिखाया गया है। पृष्ठ भाग में आधुनिक प्रयोगशालाएँ, कक्षाएँ तथा शिक्षण प्रक्रिया के दौरान अभिभावकों एवं अध्यापकों के बीच विचार-विमर्श को प्रोत्साहन दिए जाने तथा विद्यार्थियों को पुस्तकों की दुनिया से आगे अध्ययन यात्राओं के माध्यम से ज्ञान अर्जन पर बल दिए जाने को प्रदर्शित किया गया है।

— दिल्ली

## Model Schools of Delhi

The tableau of Delhi state showcases its Model Schools which have demonstrated marked improvement in the quality of education as a result of new measures of the Government.

With its determination to improve the quality of education in the State, the Government has been transforming the Government Schools into Model Schools. After upgradation of the infrastructure of these schools at par with the private schools, both teachers and students have responded well to the changes. A special programme to impart vocational education in subjects like music, dance, theatre, fine arts, creative writing, and photography, by the experts on these subjects has also been launched.

The tableau captures the transformation of the quintessential Government Schools into Modern Schools. Its front part displays an upgraded school building and the life-size statues of the students, pursuing enthusiastically not just academics, but sports and other activities also. In the latter part, modernized labs and classrooms, the parents-teachers interaction to encourage their involvement in education process, and students' exposure to the world beyond books, acquiring knowledge through educational excursions, have been displayed.

- DELHI





### चम्बा रूमाल

हिमाचल प्रदेश की झाँकी में इस राज्य की अद्भुत पारम्परिक हस्त कला "चम्बा रूमाल" को दर्शाया गया है।

चम्बा रूमाल हस्तकला अट्ठारहवीं सदी के उत्तरार्द्ध में हिमाचल प्रदेश के चम्बा क्षेत्र में विकसित हुई पहाड़ी कला का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस पारम्परिक लोक कला में रेशमी धागे से हाथ से बुने साटन के कपड़े पर दोहरे टाँके "दो-रूखा" से दोनों तरफ एक समान सुन्दर कढ़ाई की जाती है। चम्बा रूमाल पर सामान्यतः रासलीला, अष्टनायिका तथा प्राचीन पौराणिक गाथाओं व दृश्यों को उकेरा जाता है।

झाँकी के अग्रभाग में चम्बा रूमाल पर कसीदाकारी कर रही एक महिला की सुन्दर प्रतिमा दिखाई गई है। झाँकी के मध्य भाग में भगवान कृष्ण व राधा को गोपियों के साथ रासलीला नृत्य करते हुए दर्शाया गया है। इसी भाग में चम्बा की महिलाएँ चम्बा रूमाल पर पारम्परिक कसीदाकारी करते हुए दृष्टिगोचर हो रही हैं। झाँकी के पृष्ठ भाग में चम्बा शहर का विशाल "सहस्राब्दि द्वार" सुशोभित है।

— हिमाचल प्रदेश

### Chamba Rumal

The tableau of state of Himachal Pradesh presents their wonderful traditional art form – Chamba Rumal.

Chamba Rumal is the finest specimen of Pahari art form that flourished in Chamba region of Himachal Pradesh during late 18<sup>th</sup> century. Hand woven satin cloth is embroidered with untwisted silken thread in double stitch that appears same on both the sides known as "Dorukha". Depictions of Rasleela, Ashtnayika and scenes from ancient legends and myths are generally crafted on the Rumal.

In front of the tableau, a beautiful statue of a lady doing embroidery work on Chamba Rumal is shown. The middle section of the tableau shows Rasleela – a dance performance of Lord Krishan and Radha along with Gopis. The women of Chamba engaged in traditional embroidery work on Chamba Rumal are also shown in this section. The big "Millennium Gate" of Chamba town adorns the rear portion of the tableau.

- HIMACHAL PRADESH

## बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ

हरियाणा राज्य की झाँकी वर्तमानकाल के संवेदनशील विषय 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' को प्रदर्शित करती है। यह झाँकी प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण हेतु किए गए प्रयासों को प्रदर्शित करती है।

पुराने समय से रूढ़िवादी दृष्टिकोण के कारण समाज में कन्याओं का समग्र विकास बाधित हुआ है। जनसंख्या के इस महत्वपूर्ण भाग के प्रति असमान व्यवहार, पक्षपात एवम् शिक्षा प्रदान करने में उदासीनता के कारण उनकी निहित प्रतिभा व्यर्थ गई है। भारत के आदरणीय प्रधानमंत्री द्वारा समाज में कन्याओं की शिक्षा, विकास, सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने एवम् लैंगिक भेदभाव, शोषण एवं कुरीतियों के विरुद्ध कदम उठाने पर निरंतर बल दिया गया है।

झाँकी के अग्र भाग में एक प्रसन्न माता की गोद में एक बालिका की प्रतिमूर्ति एवं बच्चे का पालना झाँकी के भाव को दर्शाता है। मध्य भाग में प्रदर्शित बालिका-कक्षा, राज्य में बालिकाओं की शिक्षा एवं उनके उच्च, व्यावसायिक एवं कम्प्यूटर शिक्षा पर दिए जा रहे बल को प्रदर्शित करती है। इसके पीछे एक प्रसन्न परिवार को कन्या के जन्म पर उत्साह मनाते हुए दर्शाया गया है। झाँकी के पृष्ठ भाग में हरियाणा राज्य की विख्यात बालिकाओं-कल्पना चावला, साक्षी मलिक, दीपा मलिक इत्यादि की विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियों को उनकी प्रतिमाओं के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।

-हरियाणा

## Beti Bachao - Beti Padhao

Haryana state tableau presents the current sensitive issue of 'Beti Bachao - Beti Padhao'. It displays the measures adopted by the state for women empowerment in different spheres of life.

Since early times, the conservative outlook of the society has impeded the overall development of the girl child in the country. This important segment of the population has suffered enormously due to discrimination, denial of education and unequal treatment, leading to wastage of their inherent talent. Hon'ble Prime Minister of India has emphasised the need for education, empowerment and development of the girl child, and their protection from exploitation, gender discrimination and evil practices prevalent in the society.

The front side of the tableau shows statues of a baby girl in a happy mother's lap and a baby cradle, to highlight the theme of the tableau. The middle section shows the replica of a girls' classroom - signifying stress on girls' education and encouragement of higher, professional and computer education for the girls in the state. This is followed by celebrations in a happy family on birth of a baby girl. The rear section of the tableau displays statues of Kalpana Chawla, Sakshi Malik, Deepa Malik etc. to highlight the achievements of renowned girls of Haryana in different fields.

- HARYANA





### शरद उत्सव

पश्चिम बंगाल राज्य अपनी इस झाँकी के द्वारा अपने शरद उत्सव को दर्शा रहा है। यह उत्सव राज्य में त्योहारों के मौसम का सूचक माना जाता है, जिसका केन्द्र बिन्दु दुर्गा पूजा का पर्व है।

शरद ऋतु में ग्रामीण बंगाल की हरित पृष्ठ भूमि में सुन्दर सफेद काष फूल का प्रकट होना त्योहारों के आगमन का संकेत माना जाता है जो सम्पूर्ण राज्य में "शरद उत्सव" के रूप में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। आज विश्व के बड़े-बड़े कला उत्सवों में इस उत्सव का नाम भी शामिल किया जाता है। बंगाल की कला की सुन्दरता यहाँ के पंडालों की आंतरिक व बाह्य सजावट शैली, कलाकारों की कारीगरी द्वारा निखर कर आती है, जिसमें यहाँ की शिल्प कला और संस्कृति को भी बखूबी दर्शाया जाता है।

झाँकी के अग्र भाग में ढाकियों अर्थात् ढोल बजाने वालों के कौशल को दिखाया गया है। झाँकी के पृष्ठ भाग में बंगाल में शरद ऋतु के दृश्य को दर्शाया गया है जहाँ माँ दुर्गा की भव्य मूर्ति के समक्ष धुनुची आरती, पारम्परिक नर्तकों और गायकों को प्रदर्शित किया गया है।

—पश्चिम बंगाल

### Sharod Utsav

The state of West Bengal showcases in their tableau 'Sharod Utsav' that signifies the festive season in the state, with Durga Puja at its focal point.

The appearance of pristine-white "Kashphool" in the backdrop of the greenery of rural Bengal in autumn (Sharad) signals the advent of the festive season, celebrated as "Sharod Utsav" all over the state with enthusiasm and fervor. It has also become one of the largest outdoor art carnivals on earth. The interiors and exteriors of the Puja Pandals are decorated with art motifs, executed by trained artists with stylized elements and carefully executed presentation of crafts and culture.

The front portion of the tableau highlights skilful performance of 'Dhakis' (drummers). The rear portion of the tableau portrays Bengal in autumn, with a majestic idol of Goddess 'Durga', along with depiction of 'Dhunuchi Aarti', traditional dancers and singers.

- WEST BENGAL

## जागो आया

पंजाब राज्य की इस झाँकी में विवाह-समारोहों के अवसर पर उत्साह के साथ किये जाने वाले "जागो आया" लोकनृत्य का प्रस्तुतिकरण किया गया है।

जागो का शाब्दिक अर्थ है - जगाना। परम्परा के अनुसार गाँव के लोगों को विवाह-समारोह का औपचारिक निमंत्रण नहीं दिया जाता था। इसके बदले दुल्हे या दुल्हन के सगे-संबंधी माथे पर एक गागर लेकर विवाह से एक रात पहले गाँव में चारों ओर 'जागो आया' गाते चलते थे और गाँव के लोगों को विवाह-समारोह में सम्मिलित होकर विवाहोत्सव में हर्षोल्लास बढ़ाने के लिए उत्साहित करते थे।

झाँकी के अग्र भाग में महिलाओं को पारम्परिक परिधान में सिर पर सुसज्जित गागर लिए जागो नृत्य करते दिखाया गया है। झाँकी के पृष्ठ भाग में गाँव के पारम्परिक रूप से सजे घर में सगे-संबंधियों को जागो गीत पर नाचते-गाते विवाहोत्सव पर उल्लास करते दिखाया गया है। झाँकी के दोनों किनारों पर ग्रामीण पंजाब में विवाह के लिए गृह-सज्जा के लोक भाव का चित्रण किया गया है।

— पंजाब .

## JAGO AAIYA

The Punjab state tableau presents their exciting folk dance 'Jago Aaiya', performed with gusto and excitement during the wedding festivities.

The "JAGO" literally means "WAKE UP". Traditionally, formal invitations for the wedding ceremony were not sent to the village people. Instead, relatives of the bride or groom went around the village the night before the Punjabi wedding, carrying a pitcher on the head and singing and dancing 'Jago Aaiya', encouraging the village folk to join and heighten the excitement of the wedding festivities.

The front part of the tableau displays ladies, attired in the traditional Punjabi dress, performing 'Jago Dance' with decorated pitcher on their head. The rear portion of the tableau shows family members and friends rejoicing and dancing the Jago song in the backdrop of a traditionally decorated village house. Side panels display traditional folk motifs decorating a wedding house in rural Punjab.

- PUNJAB





### करकाट्टम

तमिलनाडु की झाँकी राज्य के लोकप्रिय लोक-नृत्य करकाट्टम को दर्शाती है जो ग्रामीण क्षेत्रों में अम्मन मंदिर के उत्सवों के दौरान किया जाता है।

करकाट्टम लोक नृत्य की विधा ग्रामीण मंदिर महोत्सव का एक प्रमुख अंग है। यह एक पुराना लोक-नृत्य है जिसमें नर्तक एक पीतल के बर्तन 'करकम' जो रंगीन फूलों के साथ शंकु आकार में सजा होता है तथा जिसकी चोटी पर एक हल्की लकड़ी से बना तोता सजा होता है, अपने सिर पर रखते हैं। करकम नर्तक सिर पर करकम को संतुलित करते हुए आकर्षक नृत्य-भंगिमाएं प्रदर्शित करते हैं एवम् नाथस्वरम्, थाविल, पम्बै और थालम उपकरणों के साथ थैममंगू धुनों पर आधारित पारम्परिक लोक-संगीत प्रस्तुत करते हैं।

झाँकी में दर्शकों को आकर्षित करता हुआ कौशलपूर्ण करकाट्टम नृत्य अम्मन मंदिर के सामने प्रस्तुत किया जा रहा है। झाँकी में एक कलाकार देवी काली की मुद्रा में प्रदर्शित है। करकम नर्तक झाँकी के दोनों तरफ संगीतकारों के द्वारा पारम्परिक वाद्ययंत्रों के साथ बजाई गई धुन पर नृत्य करते हुए चल रहे हैं।

— तमिलनाडु

### Karakattam

The tableau of Tamil Nadu presents "Karakattam", a popular traditional folk dance of the state performed during the Amman temple festivals in the rural areas of the state.

"Karakattam" folk dance forms an important part during rural temple festivals. It is an old folk dance in which the dancers on their head hold "Karakam", a brass pot decorated in conical shape with colorful flowers and adorned with a parrot, made of light wood, on its top. The Karagam dancers perform attractive dance movements to the tunes of traditional music while balancing the "Karakam" on their head. The traditional folk music based on the themmangu tunes performed with Nathaswarams, Thavil, Pambai and Thalam instruments.

The tableau presents "Karakattam" impressing the spectators with the skilful performance in front of Amman temple. One artist poses on the tableau as Goddess Kaali. Karakattam dancers move along on both sides of the tableau, dancing to the tunes of musicians playing their traditional musical instruments.

- TAMIL NADU

## गोवा की संगीतमयी धरोहर

गोवा की झाँकी जीवंत संगीत एवम् नृत्य की प्रस्तुति के माध्यम से राज्य की उत्कृष्ट सांस्कृतिक एवम् संगीत की धरोहर को प्रदर्शित कर रही है। गोवा की संगीतमयी धरोहर पर कई रियासतों का प्रभाव रहा है। यह झाँकी नदी किनारे किए जा रहे एक नृत्य को प्रस्तुत कर रही है।

झाँकी के सामने के भाग में मोर की आकृति जैसे "सांगोड्ड" को दिखाया गया है, जो कि दो नावों को जोड़कर बनाया गया एक विशाल प्लेटफॉर्म है। "सांगोड्ड" पर फाइबर से बनी एक महिला गिटार बजा रही है जिसके साथ एक युवक घुमत, जो कि मिट्टी से बना एक वाद्ययंत्र है, बजाते हुए दिखाया गया है। ट्रेलर पर नदी के किनारे खुली हवा में बने थिएटर को यहाँ की विशिष्ट बाड़ के साथ दिखाया गया है। कई नर्तकों को एक भव्य द्वार के सामने सैक्सोफोन, ढोल, टासो इत्यादि की धुन पर नाचते हुए देखा जा सकता है।

विभिन्न वाद्ययंत्रों जैसे टासो, घुमत, घुँघरू, कंसाले, ढोलक, ताल, शामेल, गिटार, सैक्सोफोन इत्यादि को झाँकी की परिधि पर दिखाया गया है जो कि गोवा के रंगीन पुष्पों से सुसज्जित है।

— गोवा

## Musical Heritage of Goa

Goa tableau depicts the rich cultural and musical heritage of the state through live performance of their music and dance. Goa's rich musical heritage reflects the influence of a variety of regimes in this coastal state. The tableau showcases a typical dance performance, set on the banks of a river.

The front tractor carries a peacock-shaped "Sangodd" – a large platform formed by combining canoes. "Sangodd" displays fibre-figurines of a lady playing a guitar, accompanied by a man playing a ghumat - a percussion instrument made from an earthen pot. The trailer has the setting of a typical Goan open air performance venue on the banks of a river, with the distinct balustrade fence. Dancers performing on an elevated stage to the beats of saxophone, dhol, tasso can be seen in the background of a majestic arch.

Various musical instruments like the tasso, ghumat, ghungroo, kansale, dholak, taal, shamel, guitar, saxophone etc. have been displayed along the periphery which is adorned with colorful flowers of Goa.

- GOA





## होजागिरी

त्रिपुरा राज्य की झाँकी जीवंत और मूर्ति आकृतियों द्वारा राज्य के रियांग जनजातियों के बेहतरीन नृत्य को प्रस्तुत करती है।

रियांग नृत्य समुदाय की 4 से 6 महिलाओं एवं बालिकाओं की टोली द्वारा होजागिरी उत्सव के अवसर पर किया जाता है। वे गाते हुए मिट्टी के मटके पर संतुलन बनाती हैं एवं ऐसा करते समय वे अत्यन्त कुशलता पूर्वक अन्य वस्तुओं जैसे माथे पर बोतल और हाथ में मिट्टी के दीए को लेकर शरीर के केवल निचले भाग को हिलाकर नृत्य करती हैं। यह नृत्य बाँस की बांसुरी, सैम्बल और खाम्ब जैसे पारम्परिक वाद्ययंत्रों की धुन के साथ चलता है।

झाँकी का आरंभ मिट्टी के घड़े पर विशेष होजागिरी नृत्य-मुद्रा में रियांग युवती की एक विशाल प्रतिकृति से हो रहा है। कई होजागिरी नर्तक विभिन्न मुद्राओं में एवं विभिन्न कृतियाँ लिए झाँकी के साथ-साथ चल रहे हैं। ट्रेलर पर विशेष रियांग ग्रामीण परिवेश में खुले अहाते में होजागिरी नर्तक नृत्य करते तथा अपने माथे पर रखी एक बोतल के ऊपर जलते लैम्प के सन्तुलन का कुशल प्रदर्शन कर रहे हैं। कुछ नर्तकों को नमस्कार मुद्रा में भी देखा जा सकता है। ट्रेलर के पृष्ठ भाग में एक सामान्य रियांग गृह दिखाया गया है जहाँ संगीतज्ञ पारम्परिक वाद्य यन्त्र बजा रहे हैं एवं कुछ रियांग लोग मधुर संगीत व मोहक नृत्य का आनन्द उठाते नजर आ रहे हैं।

— त्रिपुरा

## Hojagiri

The tableau of Tripura presents state's magnificent Reang Tribal Dance with a combination of live and sculptural forms.

Reang Dance is performed on the occasion of Hojagiri festival by a team of 4 to 6 women and young girls of the community. They sing and balance on the earthen pitchers and while doing so, they also manage other props like a bottle on the head and earthen lamp on the hand very skillfully, moving only the lower half of the body. The dance progresses along with traditional musical instruments like bamboo-made flute, cymbal and khamb.

The tableau begins with a huge sculptural form of a Reang belle in a typical Hojagiri dance posture over earthen pitchers. Many Hojagiri dancers move along with the tableau in different positions with different props. The trailer portion shows Hojagiri dancers performing in the open courtyard and balancing very skilfully a bottle with lighted lamps on top over their head in the background of typical of Reang rural environment. Some dancers in namaskar posture can also be seen. The rear of the trailer shows a typical Reang house where musicians play traditional musical instruments and some Reang folks enjoying the melodious music and dance performance.

- TRIPURA

## गुलमर्ग में शीत क्रीड़ाएँ

जम्मू एवं कश्मीर की झाँकी गुलमर्ग, जो कि राज्य का विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है, में होने वाली शीत क्रीड़ाओं को प्रदर्शित करती है। 2650 मीटर की ऊँचाई पर स्थित, गुलमर्ग की बर्फ से ढकी वादियाँ शीत ऋतु में हिम-क्रीड़ाओं का एक आकर्षक गंतव्य स्थल बन विश्व भर से सैलानियों को आकर्षित करती हैं।

जम्मू एवं कश्मीर की झाँकी में कांगड़ी थामे एक विशालकाय "स्नो मैन" को दर्शाया गया है जो गुलमर्ग की शीत ऋतु में जमा देने वाली सर्दी का प्रतीक है। इसके पीछे गुलमर्ग की हिमाच्छादित पहाड़ियों का मोहक दृश्य है जिनमें स्कीइंग करते हुए खिलाड़ियों की प्रतिकृतियों को दर्शाया गया है। पृष्ठ भाग में मधुर कश्मीरी लोक संगीत का आनन्द लेते हुए कुछ लोगों को बर्फ से लदे पेड़ों के आस-पास पोलो खेलते व हिम स्कूटर चलाते हुए प्रदर्शित किया गया है।

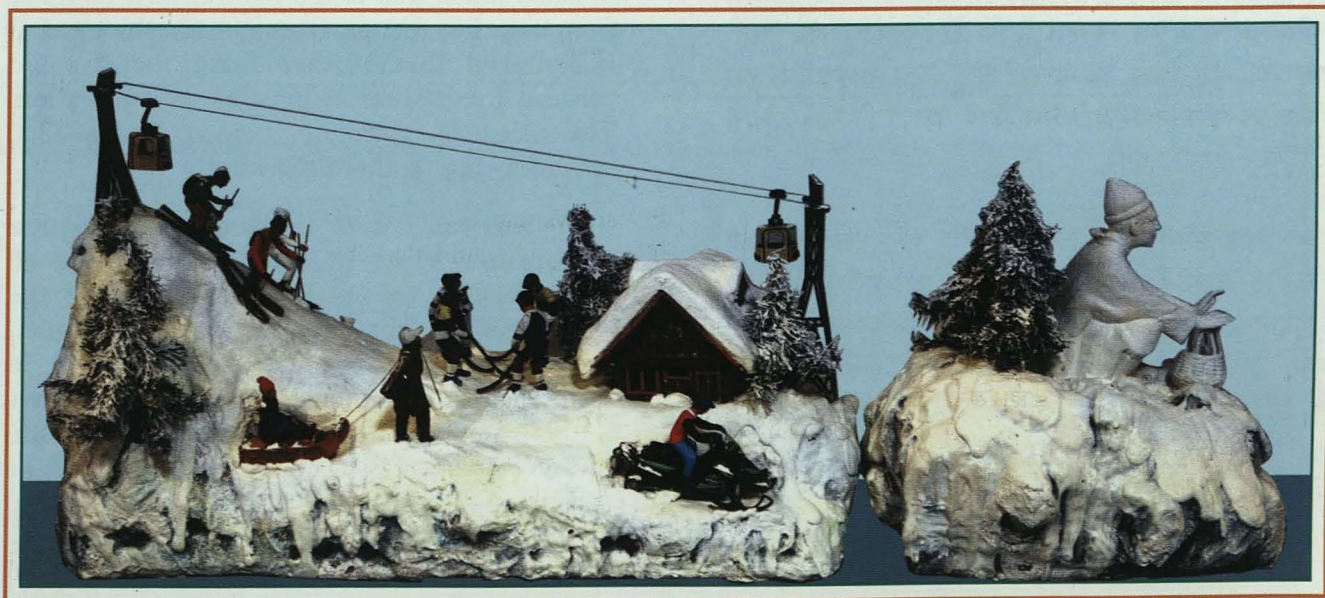
—जम्मू एवं कश्मीर

## Winter Sports at Gulmarg

The tableau of Jammu and Kashmir showcases winter sports at Gulmarg, a world famous tourist destination of the State of Jammu and Kashmir. During the chilling winter season, the snow-clad hill station of Gulmarg, situated at a high altitude of 2650m, becomes an attractive winter sports destination that draws tourists from all over the world.

The tableau of Jammu and Kashmir begins with a giant sculpture of a "snow man" with Kangri (fire-pot) symbolizing the winter season in the state. It is followed by breathtaking view of snow-covered hills of Gulmarg, where skiers, in the sculptures format, are displayed skiing down the hills. People participating in polo game and riding snow scooters between dazzling snow covered trees while enjoying melodious Kashmiri folk music in the background, are also presented on the tableau.

- JAMMU & KASHMIR





### कामाख्या मंदिर

असम राज्य की झाँकी पवित्र कामाख्या मंदिर को दर्शाती है। यह मंदिर महानगरीय राजधानी गुवाहाटी को प्रसिद्धि प्रदान करता है।

राजधानी गुवाहाटी में नीलाचल पर्वत पर स्थित, कामाख्या मंदिर को देश के महानतम शक्तिपीठों में एक माना जाता है। अम्बुवाची उत्सव के दौरान इस मंदिर में देश और विदेशों से अनेक भक्तगण आते हैं। कामाख्या मंदिर अन्य मंदिरों से भिन्न है क्योंकि यहाँ पूजा करने के लिए कोई प्रतिमा या चित्र नहीं है। इसके स्थान पर यहाँ प्राकृतिक गुलाबी रंग की एक शंकुकार दरार है जो स्त्री जननांग के समान है। यह दरार गुफा के भीतर स्थित झरने के पानी से सदैव नम रहती है। मान्यता है कि खेत जोतते समय धरती माता का इस दरार से मासिक स्राव होता है इसलिए इस स्थान को “का-माय-खा” नाम दिया गया है जिसका अर्थ है पौराणिक जननी माता।

यह झाँकी पवित्र कामाख्या मंदिर के विहंगम दृश्य को निरूपित करती है जिसमें साधु-संतों को प्राचीन देवी का गुणगान करते चित्रित किया गया है। झाँकी का आरम्भ 5 फीट ऊँचे विशालकाय ध्यानमग्न साधु से होता है। पृष्ठ भाग में अनुयायियों एवम् पर्यटकों को कामाख्या मंदिर के प्रांगण में प्रदर्शित किया गया है। झाँकी के किनारों पर हिन्दू देवी-देवताओं का चित्रण किया गया है।

— असम

### Kamakhya Temple

The tableau of Assam portrays the holy shrine of Kamakhya that renders prominence to its capital metropolis – Guwahati.

Established atop Nilachal Hills in Guwahati, the Kamakhya shrine is considered as one of the greatest Shaktipeeths of the country. During the Ambubachi Festival, the temple draws worshippers from the whole of India and abroad. Kamakhya temple is different from other temples as it has no image or idol for worship. Instead, there is a natural fissure, conical in shape and reddish pink in colour-resembling the genitals of woman. The fissure remains moist due to the natural flow of water from a spring that emanates inside the cave. It is believed that Mother Earth menstruated through this fissure at the time of cultivation. The place is, therefore, named Ka-Mai-Kha, meaning - the mother progenitor.

The tableau is designed to present a panoramic view of the holy temple of Kamakhya, with holy saints glorifying the ancient shrine. The tableau begins with a giant size statue of a monk of 5 ft height in meditating posture. The trailer section displays a replica of the temple with disciples and tourists present in the premises. The side panels display images of Hindu gods and goddesses.

- ASSAM

## वस्तु एवं सेवा कर

वस्तु एवं सेवा कर (जी.एस.टी.) स्वतंत्रता के पश्चात कर सुधार की दिशा में की गई सबसे बड़ी पहल है जिसे वित्त मंत्रालय द्वारा इस वर्ष के गणतंत्र दिवस समारोह में प्रस्तुत किया जा रहा है। जी.एस.टी. एक राष्ट्र – एक कर – एक बाजार के लक्ष्य को साकार करेगा।

वस्तु एवं सेवा कर में अनेक करों को समाहित करते हुए न केवल भारतीय कर व्यवस्था में महत्वपूर्ण सुधार लाने, अपितु देश के आर्थिक परितंत्र में भी नए आयाम विकसित करने का सामर्थ्य है। संवैधानिक संशोधन विधेयक पारित होने के उपरान्त इस कर सुधार को एक नयी गति मिली है। अत्याधुनिक आई.टी. प्रणाली के प्रयोग से करदाताओं के लिए जी.एस.टी. का अनुपालन अत्यंत सरल एवं सुगम होगा। सरकार जी.एस.टी. को शीघ्र लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

झांकी के अग्रभाग में जी.एस.टी. के मूल उद्देश्य – केंद्र और राज्यों में लागू अनेक अप्रत्यक्ष करों के स्थान पर केवल एक कर जी.एस.टी. – को दर्शाया गया है जिससे इस कर का मूल लक्ष्य – एक साझा राष्ट्रीय बाजार, साकार होगा। पृष्ठ भाग में वस्तु एवं सेवा कर से अपेक्षित लाभ जैसे कि निवेश तथा वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन में बढ़ोतरी होने के फलस्वरूप रोजगार, निर्यात एवं सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि को दर्शाया गया है जिससे भारत और अधिक समृद्ध राष्ट्र बनेगा।

– वित्त मंत्रालय

## Goods & Services Tax

Goods & Services Tax (GST) – the biggest tax reform initiative in the country since independence is being showcased by the Ministry of Finance in this year's Republic Day Tableau. GST will help realize the goal of One Nation – One Tax – One Market.

The Goods & Services Tax aims to subsume a multitude of taxes and has the potential of altering significantly not only the taxation landscape but also the economic ecosystem of the country. This historic measure gained momentum after the enactment of the Constitutional Amendment Act. Backed by state-of-the-art IT infrastructure, GST compliance will be easier for taxpayers. The Government is taking all necessary steps for the early implementation of GST.

The front part of the tableau displays the basic objective of the GST i.e. replacement of multiple Central and State level indirect taxes by a single tax – GST, to achieve the ultimate aim of a unified national market. The rear portion of tableau depicts various other benefits expected to flow from GST like growth in investment and production of Goods & Services, leading to rise in employment, higher exports and increased GDP, which will transform India into a more prosperous nation.

- MINISTRY OF FINANCE





## खादी

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की झाँकी में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को दर्शाया गया है जिनका "प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम" तथा खादी कार्यक्रमों के अंतर्गत खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा किए गए प्रयासों के फलस्वरूप विकास हुआ है।

स्वतन्त्रता से पूर्व अंग्रेजी मिलों में निर्मित वस्त्रों से घरेलू अर्थव्यवस्था को हो रहे दुष्प्रभावों तथा भारतीय कामगारों एवं बुनकरों को अंग्रेजी उत्पीड़न से बचाने में खादी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। स्वतन्त्रता के उपरान्त सरकार के भरसक प्रयासों के परिणामस्वरूप खादी एवं ग्रामोद्योगों को बहुत प्रोत्साहन मिला है तथा खादी को एक गौरवशाली वैश्विक ब्राण्ड के रूप में स्थापित करने में सफलता मिली है। विभिन्न खादी उत्पादों जैसे सिल्क, सूती कपड़ा, मसलिन, डेनिम इत्यादि की बाजार में भारी मांग से लघु उद्योगों में कार्यरत लोगों को पर्याप्त रोजगार मिल रहा है। आज खादी की मांग में भारी वृद्धि हुई है तथा विभिन्न सरकारी विभागों में भी सूक्ष्म, लघु एवं मध्य उद्योगों द्वारा निर्मित खादी वर्दी की आपूर्ति की जा रही है।

झाँकी सौर चरखे की विशाल प्रतिकृति से आरंभ होती है। यह चरखा बिजली उत्पादन के साथ-साथ दोगुनी मात्रा में सूत भी बुनता है। झाँकी पर बुनकरों एवं कामगारों को विभिन्न उद्यमों में अनेक प्रकार के उत्पादों जैसे कपड़ा, फर्नीचर, बर्तन, हाथ से बना कागज, औषधीय उत्पाद, सौन्दर्य प्रसाधन, खाद इत्यादि का उत्पादन करते दर्शाया गया है। इन उत्पादों को सभी वर्गों के लोगों द्वारा सराहा जा रहा है।

—सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय

## Khadi

The tableau of Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) showcases the development of the micro, small and medium enterprises that has taken place with the help of measures adopted under the 'Prime Minister's Employment Generation Program' and Khadi Programme through Khadi and Village Industries Commission.

Before independence, Khadi played an instrumental role in protecting the domestic economy from the perilous effects of the British mill-made cotton and freeing Indian weavers and artisans from British oppression. After independence, Government's concerted efforts resulted in promotion of Khadi and village goods and helped establish Khadi as a global brand. Various Khadi products like silks, cotton, muslin, denim, etc. are in high demand that generates employment for lakhs of people working in small scale enterprises. Today, the demand for Khadi has stepped up and MSMEs are now designing and supplying uniforms to many government departments.

The tableau begins with a large replica of Solar Charkha that not only lights up the houses but also produces double amount of fabric. The tableau also shows weavers and artisans engaged in micro, small and medium enterprises, producing a variety of products like fabric, furniture, pottery, handmade paper, herbal products, cosmetics, organic food, biogas, manure etc. that are highly appreciated by both rich and poor.

- MINISTRY OF MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES

## प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) —सभी को आवास

भारत सरकार ने राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों की सहभागिता से सभी शहरी परिवारों को 2022 तक एक पक्का घर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 25 जून 2015 को "प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)" का शुभारम्भ किया है। आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय की इस झाँकी में सरकार की इसी सोच व उद्देश्य को प्रदर्शित किया गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) मिशन चार आयामों पर कार्य करते हुए राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों में घरों की कमी की समस्या को समाप्त करने हेतु प्रयासरत है। ये चार आयाम हैं — "स्व-स्थाने" स्लम पुनर्विकास, ऋण आधारित ब्याज सब्सिडी योजना (सीएलएसएस), भागीदारी में किफायती आवास (एएचपी) तथा लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास का निर्माण अथवा विस्तार। यह योजना राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों को घरों के निर्माण के लिए नवीन व पर्यावरण हितैषी निर्माण प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग करने हेतु भी प्रोत्साहित करती है।

झाँकी में कुछ लोगों को आवास ऋण लेने के लिए बैंक/आवास वित्त कम्पनी जाते दिखाया गया है। राष्ट्रीय आवास बैंक को लाभार्थियों को ब्याज संबंधी छूट देते हुए भी दिखाया गया है। झाँकी में एक निर्माणाधीन मकान, एक नव-निर्मित बहुमंजिला इमारत व अन्ततः अपने घर का सपना साकार होने पर प्रफुल्लित होते एक परिवार को भी देखा जा सकता है।

— आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय

## Pradhan Mantri Awas Yojana (Urban) - Housing for All

Government of India launched Pradhan Mantri Awas Yojana (Urban) on 25th June, 2015 with a vision to make available a pucca house for all by the year 2022, in partnership with the States/UTs. The tableau of Ministry of Housing and Urban Poverty Alleviation showcases vision and spirit of this national mission.

The PMAY(U) mission envisages four verticals to address the urban housing shortage in the States and Union Territories. These are: In-Situ Slum Rehabilitation, Credit Linked Subsidy Scheme (CLSS), Affordable Housing in Partnership (AHP) and Beneficiary Led Individual House Construction or Enhancement. The mission also encourages the States and Union Territories to make extensive use of new and eco-friendly construction technologies for housing.

The tableau depicts people visiting a bank/housing finance company to avail of housing loans sanctioned under the mission. National Housing Bank – engaged in release of interest subsidy to the beneficiaries, has also been displayed on the tableau. A house under construction, a newly constructed multi-storey building and finally a contented family - happy about their accomplishment of owning a house, have also been showcased on the tableau.

- MINISTRY OF HOUSING & URBAN POVERTY  
ALLEVIATION





## सीएसआईआर@75: जन-जीवन से सरोकार

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) राष्ट्र की सेवा में अपनी 75 वर्ष लंबी यात्रा को जारी रखते हुए देश के वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय विकास में उत्कृष्ट भूमिका निभा रहा है। अपने प्रौद्योगिकीय अंतराक्षेपों के माध्यम से सीएसआईआर संपूर्ण देश के लाखों लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में उत्प्रेरक सिद्ध हुआ है।

इस झांकी के केंद्रीय भाग में सीएसआईआर की वैश्विक स्थिति को दर्शाने वाली इसकी प्रमुख उपलब्धियों की झलक है जिन्हें इसकी 38 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं वाले सीएसआईआर चक्र की दशक वार किरणों के माध्यम से दर्शाया गया है। सीएसआईआर के अनेक उत्कृष्ट योगदानों को आदम कद से बड़े थ्री-डी मॉडलों के माध्यम से संपूर्ण झांकी में दर्शाया गया है जिनमें अग्रणी नागरिक विमानन उद्योग, सस्ती औषधियों का विकास और मूल्यवान औषधीय एवं सुगन्धित पादपों की शुरुआत सम्मिलित है। एक आधुनिक प्रयोगशाला का प्रारूप देश में विशेषज्ञता प्राप्त वैज्ञानिकों एवं इंजीनियरों के पूल को पोषित करने, बनाए रखने एवं उन्नत करने में सीएसआईआर की भूमिका को दर्शाता है।

— वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद

## CSIR @ 75: Touching Lives

Continuing its 75 year long journey in the service of nation, the Council of Scientific & Industrial Research (CSIR) is playing a stellar role in scientific and technological development of the country. Through its technological interventions, CSIR has proved to be catalyst in improving the quality of life of millions of people across the country.

The central part of the tableau highlights major breakthroughs of CSIR, depicted as decade-wise sparks from the CSIR wheel with its 38 national laboratories, accentuating its global standing. Several outstanding contributions of CSIR are depicted as 3-D larger than life size models spread across the tableau, including those in pioneering civil aviation industry, development of affordable drugs, and introduction of high value medicinal & aromatic plants. A modern laboratory set-up depicts CSIR role to foster, sustain and upgrade the pool of specialized scientists and engineers in the country.

- COUNCIL OF SCIENTIFIC & INDUSTRIAL  
RESEARCH

## स्वच्छ भारत-हरित भारत

सुगंधित पुष्पों से सुशोभित केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रस्तुत यह झाँकी एक स्वच्छ और हरित राष्ट्र का संदेश प्रसारित करती है।

पिछले 162 वर्षों से राष्ट्र निर्माण में समर्पित केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग निर्माण प्रबंधन के क्षेत्र में एक प्रधान संगठन के रूप में उभरा है जो कि निर्माण, रख-रखाव एवम् संबंधित विषयों पर परामर्श जैसी सेवाओं हेतु कार्य कर रहा है। संगठन ने अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं पर्यावरण सुधार के तरीके अपनाकर एक स्वच्छ और हरित भारत के राष्ट्रव्यापी अभियान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

68वें गणतंत्र दिवस समारोह के उपलक्ष पर 'स्वच्छ भारत-हरित भारत' विषय पर केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा राजपथ पर विविध रंगों एवम् सुगंधित पुष्पों से निर्मित झाँकी के माध्यम से राष्ट्रवासियों को स्वच्छ एवं हरित भारत का संदेश देने हेतु एक प्रयास किया गया है।

—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

## Clean India-Green India

Embellished with colorful, aromatic flowers, the tableau of CPWD displays the theme of "Clean India-Green India" to spread the message of a clean and green nation.

Engaged in the nation building since last 162 years, CPWD has evolved into a principal engineering organization engaged in comprehensive construction management, providing services from project concept to completion, consultancy and maintenance management. The organization has made significant contribution to the nationwide campaign for a clean and green India by planting trees and adopting measures towards the environmental rejuvenation.

Through their tableau, the CPWD strives to add colours and fragrance of fresh flowers at Rajpath during the 68th Republic Day Celebrations while spreading the message of Clean India-Green India.

- CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT





## कौशल विकास के माध्यम से भारत रूपांतरण

"कौशल भारत" की झाँकी कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा "कुशल भारत" के लक्ष्य की संप्राप्ति हेतु की गई पहलों, कार्यक्रमों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डालती है। यह झाँकी जनसंख्या के एक बड़े भाग को उपयुक्त कौशल प्रदान करने तथा देश में व्यावसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण ढांचे की स्थापना द्वारा अर्थव्यवस्था में रूपांतरण के सरकार के संकल्प को दर्शाती है।

झाँकी के सामने वाले भाग में प्रदर्शित, एक भावी दृष्टि के साथ परिकल्पित 'कौशल भारत' का चिन्ह (बंद मुट्ठी में औजार और पेंसिल), कौशल एवं शिक्षा, दोनों के महत्व का सूचक है। झाँकी के ऊपरी भाग में एक कक्षा में विद्यार्थियों एवं कारीगरों द्वारा एक कार की मरम्मत का चित्रण कौशल विकास में पारम्परिक शिक्षा एवं व्यावहारिक अनुभव की आवश्यकता पर बल दे रहा है। तीसरे तल पर सकुशल कारीगरों द्वारा निर्मित उत्पाद दिखाये गए हैं। झाँकी के दोनों ओर कुशल मानव शक्ति द्वारा सम्भाली जा रही कार्यशाला, प्रशिक्षण एवं परिवर्तन के प्रतीक हैं। झाँकी के साथ-साथ विभिन्न औजारों के रूप में मानव प्रतिकृतियों को दिखाया गया है।

— कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय

## Transforming India through Skill Development

'Skill India' tableau highlights the initiatives, programs and achievements of the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship to achieve the objective of 'Skilled India'. It showcases Government's resolve to transform the economy by providing suitable skills to a large section of population by setting up a sound vocational and technical training framework in the country.

Designed with a futuristic vision, the front part of the tableau displays the 'Skill India' logo - a clenched hand, holding a spanner and pencil, denoting importance of both skills and education. Tableau's upper part depicts students in a classroom and a car being repaired by mechanics, portraying importance of both classical education and practical experience in skilling. The third level depicts the finished product of suitably skilled individuals. Cut-out compartments on the sides depict a workshop managed by skilled manpower - symbolic of training as well as transformation. Human props on either side of the tableau represent various tools used for Skill Development.

- MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT AND  
ENTREPRENEURSHIP

## राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार 2016 के विजेता

## Winners of The National Bravery Awards 2016

नाम	राज्य	Name	State
स्व. कुमारी तार पीजु@	अरुणाचल प्रदेश	Late Km. Tarh Peeju@	Arunachal Pradesh
कुमारी तेजस्विता प्रधान*	पश्चिम बंगाल	Km. Tejasweeta Pradhan*	West Bengal
कुमारी शिवानी गोंद*	पश्चिम बंगाल	Km. Shivani Gond*	West Bengal
मास्टर सुमित ममगाई**	उत्तराखण्ड	Master Sumit Mamgain**	Uttarakhand
स्व. कुमारी एच. लालरियातपुई***	मिजोरम	Late Km. H. Lalhriatpui***	Mizoram
मास्टर तुषार वर्मा***	छत्तीसगढ़	Master Tushar Verma***	Chhattisgarh
स्व. कुमारी रोलुआपुई***	मिजोरम	Late Km. Roluahpui***	Mizoram
मास्टर प्रफुल्ल शर्मा	हिमाचल प्रदेश	Master Praful Sharma	Himachal Pradesh
मास्टर सोनू माली	राजस्थान	Master Sonu Mali	Rajasthan
कुमारी अक्षिता शर्मा	नई दिल्ली	Km. Akshita Sharma	New Delhi
मास्टर अक्षित शर्मा	नई दिल्ली	Master Akshit Sharma	New Delhi
कुमारी अंशिका पाण्डेय	उत्तर प्रदेश	Km. Anshika Pandey	Uttar Pradesh
कुमारी निशा दिलिप पाटिल	महाराष्ट्र	Km. Nisha Dilip Patil	Maharashtra
कुमारी सिया वामनसा खोडे	कर्नाटक	Km. Siya Vamansa Khode	Karnataka
मास्टर मोइरांगथेम सदानंदा सिंह	मणिपुर	Master Moirangthem Sadananda Singh	Manipur
मास्टर बिनिल मंजली	केरल	Master Binil Manjaly	Kerala
मास्टर टंकेश्वर पीगू	असम	Master Tankeswar Pegu	Assam
कुमारी नीलम ध्रुव	छत्तीसगढ़	Km. Neelam Dhruv	Chhattisgarh
मास्टर आदित्यन एम. पी. पिल्लई	केरल	Master Adithyan M.P. Pillai	Kerala
मास्टर अखिल के. शिबु	केरल	Master Akhil K. Shibhu	Kerala
कुमारी बदरुनिसा के. पी.	केरल	Km. Badarunnisa K.P.	Kerala
मास्टर थंगिलमंग लंकिम	नागालैण्ड	Master Thangilmang Lunkim	Nagaland
मास्टर नमन	नई दिल्ली	Master Naman	New Delhi
मास्टर मोहन सेठी	ओडिशा	Master Mohan Sethy	Odisha
स्व. कुमारी पायल देवी	जम्मू एवं कश्मीर	Late Km. Payal Devi	Jammu & Kashmir

@ भारत पुरस्कार

\* गीता चोपड़ा पुरस्कार

\*\* संजय चोपड़ा पुरस्कार

\*\*\* बापू गायधानी पुरस्कार

@ Bharat Award

\* Geeta Chopra Award

\*\* Sanjay Chopra Award

\*\*\* Bapu Gaidhani Award

## सैला नृत्य

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर के 165 छात्र-छात्राओं द्वारा मध्य प्रदेश के डिंडोरी जिले के गोंड आदिवासियों के लोकनृत्य सैला को प्रस्तुत किया जा रहा है।

गोंड समाज के लोग नई फसल की पैदावार के अवसर पर हर्षोल्लास के साथ नृत्य करते हुए प्रकृति का आभार व्यक्त करते हैं। गाँव के पुरुष व महिलाएँ रंग-बिरंगी वेश-भूषा में सज-धज कर बैलों को भी सुसज्जित कर जोश व उमंग के साथ तैयार फसल की रक्षा के लिए बनाए काग-बकोड़े के आस-पास अपने पारम्परिक वाद्ययंत्रों मंदर, टिमकी, बाँसुरी की धुन एवं सुमधुर गीत पर थिरकते हुए सैला नृत्य का आकर्षक प्रस्तुतिकरण कर रहे हैं। यह नृत्य प्रस्तुति सूर्य देव की उपासना से प्रारम्भ होती है तथा इसमें कुछ नर्तक काग-बकोड़े का रूप धर कर भी शामिल होते हैं।

—दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र,  
नागपुर

## युवाशक्ति का आह्वान

सर्वोदय कन्या विद्यालय, चिराग दिल्ली की 150 छात्राओं द्वारा प्रस्तुत यह नृत्य-गान हमारे देश की युवा शक्ति को सलाम है जिसने देश को विकास और सफलता के पथ पर अग्रसर करने का बीड़ा उठाया है। ये छात्राएँ देश की युवा शक्ति को राष्ट्र-सेवा में समर्पित करने, पिछड़े वर्ग के उत्थान करने व वैश्विक मंच पर राष्ट्र की छवि अंकित करने के लिए उत्प्रेरित कर रही हैं। उनका गान अन्तर्मन को छूते हुए देश भक्ति की भावना को जागृत कर रहा है तथा देश के युवाओं को विकास की नई ऊँचाइयों को छूने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। नृत्य में दर्शाया गया भारत का मानचित्र देश की अद्भुत विशेषता—‘अनेकता में एकता’ को इंगित करता है।

—सर्वोदय कन्या विद्यालय,  
चिराग दिल्ली

## Saila Dance

165 students from South Central Zone Cultural Centre, Nagpur present popular Saila dance of Gond tribe of Dindori district of Madhya Pradesh.

The people of Gond tribe perform this dance to convey their gratitude to the mother nature on the occasion of rich harvesting season. The men and women of the village wear colorful dresses, decorate their cattle and dance with passion and enthusiasm around the scare-crow, placed to protect the crops from birds. They dance to the tune of traditional musical instruments like Mander, Timki and Flute and melodious songs to make an attractive presentation. This dance performance begins with worship of Sun God. Some dancers disguised as scare-crow also participate in it.

- SOUTH CENTRAL ZONE CULTURAL CENTRE,  
NAGPUR

## Yuva Shakti Ka Aahvaan

This song and dance performance by 150 students of Sarvodaya Kanya Vidyalaya, Chirag Delhi, is a salute to the youth of our country that has taken up the cause of leading the country to the path of success and development. They inspire our countrymen to dedicate this youth power for the service of the nation and uplifting the suppressed, thereby making the nation's mark on the global platform. The song touches the innermost chords of heart, evokes the spirit of patriotism and encourages the youth to take our country to new heights of development. The map formation during the dance performance denotes India's unique feature - Unity in Diversity.

- SARVODAYA KANYA VIDYALAYA,  
CHIRAG DELHI

## असम नृत्य शैली

उत्साह और उमंग से प्रफुल्लित माउण्ट आबू पब्लिक स्कूल, रोहिणी, नई दिल्ली के 147 प्रतिभाशाली एवं ओजस्वी छात्र-छात्राएँ एक मनमोहक एवं आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर रहे हैं जो कि असम की प्रसिद्ध नृत्य शैली 'सत्रीया' से प्रेरित है। असम के 'टुकारी' लोक गीत पर आधारित इस नृत्य प्रस्तुति में ये छात्र-छात्राएँ सर्व शक्तिमान ईश्वर के प्रति जीवन में सकारात्मकता तथा जीवन्तता प्रदान करने के लिए सर्वशक्तिमान ईश्वर का आभार व्यक्त कर रहे हैं। आज राजपथ पर वे एक अलौकिक वातावरण का सृजन कर रहे हैं जिसमें वे सर्व शक्तिमान ईश्वर द्वारा प्रकृति को प्रदान सबसे अनूठी रचना-मानव अस्तित्व, के लिए कृतज्ञता प्रकट कर रहे हैं।

— माउण्ट आबू पब्लिक स्कूल,  
रोहिणी, दिल्ली

## Assam Dance Form

Bubbling with fervour and enthusiasm, 147 dynamic and charismatic students of Mount Abu Public School, Rohini, New Delhi present a mesmerizing and vibrant performance that is based on famous Assamese Dance form 'Sattriya'. Following the rhythm of Assam folk song "Takori" through this dance performance, they honour the Supreme Power that instills positivity and vitality in our life. Today on Rajpath, they perform to create an ethereal environment while conveying gratitude to the Almighty God for His unique creation in nature – the noble human existence.

- MOUNT ABU PUBLIC SCHOOL  
ROHINI, DELHI

## तिरंगा साक्षी है

गणतंत्र दिवस के इस पावन अवसर पर केन्द्रीय विद्यालय, पीतमपुरा, दिल्ली के 162 छात्र-छात्राएँ असीम उत्साह और उल्लास का प्रदर्शन करते हुए गणतंत्र दिवस समारोह में विशेष प्रस्तुति कर रहे हैं जिसका नाम है "तिरंगा साक्षी है"। राष्ट्र-प्रेम की भावना से ओत-प्रोत ये छात्र-छात्राएँ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे का गुणगान कर रहे हैं तथा यह संदेश दे रहे हैं कि किस प्रकार तिरंगा भारत के वीरों की गौरवगाथा, मजबूत लोकतंत्र के निर्माण तथा महिला सशक्तिकरण जैसी अनगिनत उपलब्धियों का साक्षी है। राष्ट्रध्वज के प्रति अपने सम्मान व अपार प्रेम की अभिव्यक्ति करते हुए ये छात्र-छात्राएँ इस प्रस्तुति के द्वारा यह विश्वास दिला रहे हैं कि ज्ञानशक्ति के बल पर हमारा देश पुनः विश्व स्तर पर अग्रणी होगा।

— केन्द्रीय विद्यालय, पीतमपुरा,  
दिल्ली

## Tiranga Sakshi Hai

On the auspicious occasion of Republic Day, 162 students of Kendriya Vidyalaya, Pitampura participate in the Republic Day Celebrations with immense pleasure and excitement with this special performance – 'Tiranga Sakshi Hai'. With a blend of patriotic fervour, the students glorify the National Flag – 'Tiranga', which has been witness to countless tales of glorious achievements and sacrifices of the freedom fighters during India's march towards Independence and woman empowerment. While affirming citizens' deep reverence and affection for the National Flag, they express their strong faith that India will re-emerge as a world leader with the power of knowledge.

- KENDRIYA VIDYALAYA, PITAMPURA,  
DELHI


૩૪

ધન્યવાદ

*Thank You*

38

39



**Ministry of Defence  
Ceremonials Division**